nwda.gov.in

हिमाचल प्रदेश से उत्तराखंड तक तबाही की बारिश

हिमाचल में अब तक 53 की गई जान

■ पीटीआई, शिमला

हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन, बादल फटने और भारी बारिश के कारण मकान ढहने की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। शिमला में क्षतिग्रस्त शिव मंदिर से मंगलवार को दो और शव बरामद होने के बाद समर हिल और फागली में भूस्खलन के बाद मिले शवों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि शिमला के समरहिल और फागली में 10 से अधिक लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। शिमला के डिप्टी कमिश्नर आदित्य नेगी ने बताया कि नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF), पुलिस और सेना ने सुबह करीब छह बजे समरहिल में बचाव अभियान फिर से शुरू किया। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बाद सोमवार रात को बचाव अभियान रोक दिया गया था। सोमवार से अब तक बरामद कुल 16 शवों में से 11 शिव मंदिर से बरामद किए गए और पांच फागली से बरामद किए गए। सोमवार सुबह जब मंदिर में भूस्खलन हुआ तो सावन के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु वहां मौजूद थे। इस बीच, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ने भारी बारिश से भूस्खलन होने और सड़कों के बाधित हो जाने के मद्देनजर 19 अगस्त तक टीचिंग एक्टिविटीज सस्पेंड कर दी हैं। मंडी जिले में भारी बारिश से 19 की जान चली गई।

PTI

हिमाचल में कई जगह मलबे में अब भी लोगों के दबे होने की आशंका जताई गई है।

शिमला-कालका लाइन को पांच-छह जगह पर नुकसान

समर हिल के समीप भूस्खलन की चपेट में 50 मीटर लंबा पुल आ जाने के कारण, यूनेस्को विश्व धरोहर शिमला-कालका रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। स्टेशन मास्टर जोगिंदर सिंह ने बताया कि शिमला से करीब छह किलोमीटर पहले समर हिल के पास कंक्रीट का पुल पूरी तरह नष्ट हो गया और पांच या छह स्थानों पर इस धरोहर रेल रूट को क्षति पहुंची।

11 जिलों की 857 सड़कों पर आवाजाही रुकी

राज्य में 12 में से 11 जिलों में 857 सड़कों पर आवाजाही बंद है। 4,285 ट्रांसफॉर्मर और 889 जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हैं। 22 जून से 14 अगस्त तक मॉनसून के दौरान हिमाचल प्रदेश को 7,171 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राज्य में मॉनसून के दौरान बादल फटने और भूस्खलन की 170 घटनाएं हुई हैं और करीब 9,600 मकानों को नुकसान पहुंचा।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा दूसरे दिन भी सस्पेंड

■ विशेष संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के बारिश से प्रभावित इलाकों में उन लोगों की तलाश के लिए मंगलवार को तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया, जो सोमवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन के बाद लापता हो गए थे। मौसम विभाग की ओर से जारी रेड अलर्ट के कारण चारधाम यात्रा मंगलवार को दूसरे दिन भी निलंबित रही।

स्टेट डिजास्टर कंट्रोल रूम ने कहा कि नैशनल हाइवे, स्टेट हाइवे और बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कों पर भूस्खलन के मलबे के जमा होने के कारण अवरुद्ध होने वाली सड़कों को फिर से खोलने के प्रयास फिर से शुरू किए गए हैं। अब तक राज्य के विभिन्न हिस्सों से चार शव बरामद किए गए हैं, जबकि कई लोग अब भी लापता हैं। उनमें रुद्रप्रयाग में एक, पौरी के मोहनचट्टी में चार, जहां भूस्खलन का मलबा एक रिसॉर्ट पर गिर गया, जिसमें छह लोग दब गए, तीन लोग ऋषिकेश में हैं, जहां एक महिला है अपने दो किशोर बच्चों के साथ कार में बह गई और एक शख्स उत्तरकाशी में बह गया। मोहनचट्टी में नाइट लाइफ पैराडाइज कैंप में दबे हरियाणा के परिवार के एक और सदस्य का शव मंगलवार को SDRF टीम ने खोज निकाला। सोमवार को भी मलबे में दबा एक शव बरामद किया गया था।

नैशनल और स्टेट हाइवे को खोलने की कोशिश जारी है

उत्तराखंड के बारिश प्रभावित इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

बदरीनाथ NH का 50 मी. हिस्सा ध्वस्त

आईएएनएस, देहरादून: उत्तराखंड में बारिश का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार हो रही तेज बारिश के कारण कई जगहों पर लैंडस्लाइड होने से हाइवे बाधित हो गए हैं। मंगलवार को भी बदरीनाथ नैशनल हाइवे पर भनेरपानी पीपलकोटी के पास करीब 50 मीटर हिस्सा भूस्खलन से ध्वस्त हो गया। इससे सड़क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण दोनों तरफ हजारों लोग फंस गए हैं।

मदमहेश्वर घाटी में पुल नदी में समाया

विस, देहरादून : रुद्रप्रयाग जिले की मदमहेश्वर घाटी में भारी बारिश के कारण ग्राम गौंडार में पैदल सड़क को जोड़ने वाला पुल और सड़क का कुछ हिस्सा बहने से वहां फंसे 52 लोगों को SDRF की रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाल लिया। वनतोली के पास पुल क्षतिग्रस्त होने से लगभग 200 मीटर सड़क ध्वस्त होने और नदी का जलस्तर ज्यादा होने से लोग फंस गए थे।

गुजरात के तीन लोगों को बचाया

विस, देहरादून : ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला क्षेत्र के तहत होटल S-7 में फंसे गुजरात के तीन पर्यटकों को SDRF टीम ने मंगलवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। होटल के दोनों तरफ गदेरा आने से वे फंस गए थे। उनमें से एक बीमार व्यक्ति को SDRF की टीम लगभग 4 किमी. कुर्सी पर बैठा के मुख्य मार्ग तक लाई। वे राजकोट से इलाज कराने ऋषिकेश आए थे।

भूस्खलन में लापता एक और शव मिला

विस, रुद्रप्रयाग: 3 अगस्त की देर रात गौरीकुंड डॉट पुलिया के पास भूस्खलन के कारण लापता हुए 23 लोगों में से सात शव पिछले दिनों बरामद हुए थे। उनमें से एक और शव घटना के 12वें दिन बरामद किया गया। बाकी 15 लापता व्यक्तियों की खोजबीन जारी है। घटनास्थल से करीब चार किलोमीटर आगे मुनकटिया के पास नदी के किनारे मिला। उनकी पहचान नहीं हो सकी है।